अनुक्रमणिका

नरेंद्र कोहली और अमीश त्रिपाठी के उपन्यासों में मिथक का तुलनात्मक अध्ययन (राम कथा श्रृंखला के विशेष संदर्भ में)

प्रथम अध्याय

मिथक – अवधारणा, स्वरूप एवं महत्व 1 – 28

1.1 मिथक – अर्थ, परिभाषा एवं विकास 2 – 5

1.1.1 अर्थ एवं परिभाषा 2 – 4

1.1.2 मिथक का विकास 4 – 5

1.2 मिथक - प्रकार एवं अन्य विधाओं से संबंध 5 – 11

1.2.1 मिथक के प्रकार 6

1.2.2 मिथक का विभिन्न विधाओं से संबध 7 – 11

1.3 भारतीय मिथक 11 – 18

1.3.1 वेद 12 – 13

1.3.2 पुराण 14

1.3.3 कालजयी महाकाव्य रामायण और महाभारत 14 – 18

1.4 पाश्चात्य मिथक 18 – 23

1.4.1 ग्रीक मिथक 19 – 20

1.4.2 रोमन मिथक 20 – 22

1.4.3 नॉर्स मिथक 22 – 23

1.5 मिथक एवं साहित्य में संबंध 23 – 25

1.6 हिन्दी साहित्य में मिथक का उद्भव 25 – 27

द्वितीय अध्याय

नरेंद्र कोहली और अमीश त्रिपाठी के व्यक्तित्व एवं साहित्य सृजन 29 – 49

2.1 नरेंद्र कोहली का व्यक्तित्व एवं साहित्य सृजन 29 – 40

2.1.1	नरेंद्र कोहली का व्यक्तित्व	31 – 32
2.1.2	नरेंद्र कोहली का कृतित्व	32 – 39
2.1.3	नरेंद्र कोहली को प्राप्त पुरस्कार व सम्मान	39 – 40
2.2	**अमीश त्रिपाठी का व्यक्तित्व एवं साहित्य सृजन**	**41 – 48**
2.2.1	अमीश त्रिपाठी का व्यक्तित्व	42 – 45
2.2.2	अमीश त्रिपाठी का कृतित्व	45 – 38
2.2.3	अमीश त्रिपाठी को प्राप्त पुरस्कार व सम्मान	48
तृतीय अध्याय		
नरेंद्र कोहली के उपन्यासों में मिथक - एक अवलोकन		**50 – 81**
3.1	**नरेंद्र कोहली के राम कथा श्रृंखला के उपन्यासों की कथावस्तु**	**51- 70**
	3.1.1 दीक्षा	51 – 55
	3.1.2 अवसर	55 – 59
	3.1.3 संघर्ष की ओर	59 – 64
	3.1.4 युद्ध	65 – 70
3.2	**नरेंद्र कोहली के मिथकीय दृष्टिकोण**	70 – 80
	3.2.1 नरेंद्र कोहली की राम कथा श्रृंखला में मिथक	71 – 80
चतुर्थ अध्याय		
अमीश त्रिपाठी के उपन्यासों में मिथक - एक अवलोकन		**82 – 112**
4.1	**अमीश त्रिपाठी के राम कथा श्रृंखला के उपन्यासों की कथावस्तु**	**82 – 103**
	4.1.1 राम - इक्षवाकु के वंशज	82 – 88
	4.1.2 सीता - मिथिला की योद्धा	88 – 93
	4.1.3 रावण - आर्यवर्त का शत्रु	93 – 99
	4.1.4 लंका का युद्ध	99 – 103

4.2 अमीश त्रिपाठी के मिथकीय दृष्टिकोण 103 – 111

4.2.1 अमीश त्रिपाठी की राम कथा श्रृंखला में मिथक 105 – 111

पंचम अध्याय

नरेंद्र कोहली और अमीश त्रिपाठी के मिथकीय दृष्टिकोण - एक तुलना 113 – 175

5.1 नरेंद्र कोहली और अमीश त्रिपाठी के मिथकीय दृष्टिकोण में साम्य-वैषम्य 114 – 175

5.1.1 राम का बाल्य जीवन 115

5.1.2 पारिवारिक संबंध 116 – 131

5.1.3 पात्र परिकल्पना 131 – 151

5.1.4 गुरु की महिमा 151 – 155

5.1.5 राम-रावण युद्ध का चित्रण 155 – 160

5.1.6 शीर्षक की सार्थकता 160 – 163

5.1.7 लेखन शैली 163 – 166

5.1.8 प्रकृति एवं संस्कृति का चित्रण 166 – 171

5.1.9 समसमायिक विषयों में प्रासंगिकता 171 – 174

5.1.10 उद्देश्य एवं संदेश 174 – 175

उपसंहार 176 – 182

संदर्भ ग्रंथ सूची 183 – 187